मेरा प्रिय खेल

खेल मनोरंजन का सर्वोत्तम साधन है। हर व्यक्ति अपनी रुचि के अनुसार अपने मनपसंद खेल का चुनाव करता है । मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है ।

क्रिकेट का जन्म इंग्लैण्ड में हुआ था । यहां से अन्य देशों में भी इसका प्रसार हुआ । भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैण्ड के विरुद्ध सन् 1932 में खेला था ।

क्रिकेट का खेल बड़े–से अंडाकार मैदान में खेला जाता है । मैदान के मध्य में एक पिच होती है । पिच के दोनों तरफ बराबर दूरी पर तीन डंडे गाड़ दिए जाते हैं, जिन्हें ' विकेट ' कहते हैं । इस खेल में दो टीमें होती हैं । प्रत्येक टीम में 11 – 11 खिलाड़ी होते हैं । खेल के आरंभ में टॉस डालकर यह फैसला किया जाता है कि किस टीम

ने बल्लेबाजी करनी है और किस टीम ने गेंदबाजी करनी है। जो टीम सबसे ज्यादा रन बनाते हैं, उसे विजेता घोषित किया जाता है।

आरंभ में क्रिकेट को राजा–महाराजाओं का खेल कहा जाता था । वे अपने मन–बहलाव के लिए इसे खेलते थे । लेकिन आज यह खेल शहरों से लेकर गाँवों तक हर जगह खेल जाता है। बच्चे, बूढ़े और नवयुवक सभी इसके दीवाने हैं ।

इसमें कोई शक नहीं कि खेलने से मनोरंजन के साथ–साथ शारीरिक व्यायाम भी होता है। परंतु हर वक्त खेलते रहना भी उचित नहीं है। खेलने के साथ साथ हमें अपनी पढ़ाई का भी ध्यान रखना चाहिए। तभी हम अपने जीवन का समुचित विकास कर सकते हैं।